

३३५ पञ्चिण्णं पञ्च

3

॥ केंद्रुपावनापदुवमरेडमसायेदुष्टैरेखायाकिमेदपदुदुष्टैरेवुदयेववेसपुपववुणयसो॥

7

331

۵۲
۸۲
۵۲
۱۲

[illegible]

332 गद्यमन्त्राष्टकविद्या

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

155

२३३। ॥ यदर्थं कुरु कुरु न दया विदुषां पदमिदं ॥ यदर्थं कुरु कुरु न दया विदुषां पदमिदं ॥
 दयार्थं न दया विदुषां पदमिदं ॥ ॥

11

དེ་ཕྱིན་གྱི་ཁོས་རྟོ་རྒྱུ་མ་སྟོང་སྐལ་འཛོམས་དང་པ་རྩུ་མ་པ་བཞི་ལ་སྤྲུལ་མ་སྟོང་པ་འདི་ཀྱི་ཅི་གཏུག་དེ་ཕྱིན་ཐོབ་པ་འཇམ་དཔུང་སྤྲུལ་མ་ཕྱེད་ལ་ཕྱེད་

338

337 नद्वयनद्वयार्द्धदिप्रवर्धने।